

1. शंकरदेव और माधवदेव का महामिलन किस स्थान पर हुआ था?

- A. पाटबाउसी
- B. बरपेटा
- C. माजुलि के धुवाहाता-बेलगुरि में
- D. कोचबिहार के बांडुका में

Answer: C

Explanation: धुवाहाता-बेलगुरि (माजुलि) वह पवित्र स्थान है जहाँ दोनों महापुरुषों का ऐतिहासिक महामिलन हुआ।

2. शंकरदेव किस धर्म के प्रवर्तक माने जाते हैं?

- A. शैव धर्म
- B. एकशरण भागवती वैष्णव धर्म
- C. शाक्त धर्म
- D. जैन धर्म

Answer: B

Explanation: शंकरदेव एकशरण भागवती वैष्णव धर्म के प्रवर्तक थे।

3. शंकरदेव और माधवदेव का सांसारिक संबंध क्या था?

- A. पिता-पुत्र
- B. चाचा-भतीजा
- C. मित्र-मित्र
- D. मामा-भांजा

Answer: D

Explanation: दोनों का सांसारिक संबंध मामा-भांजे का था, हालांकि आगे चलकर गुरु-शिष्य बने।

4. माधवदेव किस उपासना से प्रभावित थे, जिससे वे बलि-विधान का समर्थन करते थे?

- A. वैष्णव
- B. शैव
- C. शाक्त
- D. सनातन

Answer: C

Explanation: माधवदेव परम शाक्त थे और बलि-विधान को सही मानते थे।

5. किस ग्रंथ के श्लोक को सुनकर माधवदेव शास्त्रार्थ में निरुत्तर हो गए?

- A. गीता
- B. रामायण
- C. भागवत
- D. वेद

Answer: C

Explanation: शंकरदेव ने 'भागवत' का श्लोक उद्धृत किया, जिसे सुनकर माधवदेव निरुत्तर हो गए।

6. माधवदेव की माता किस बीमारी से ग्रस्त थीं जिसके कारण उन्होंने मनौती मानी?

- A. बुखार
- B. गंभीर बीमारी
- C. हृदय रोग
- D. असाध्य पक्षाघात

Answer: B

Explanation: माधवदेव की माता गंभीर रूप से बीमार थीं, इसी कारण उन्होंने देवी गोसानी से मनौती मानी।

7. माधवदेव किस श्लोक के अर्थ को सुनकर समझ गए कि केवल कृष्ण ही आराध्य देव हैं?

- A. कर्मयोग का श्लोक
- B. ज्ञानयोग का श्लोक
- C. भागवत का वृक्ष-मूल उपमा वाला श्लोक
- D. गीता का उपदेश

Answer: C

Explanation: वृक्ष के मूल को सींचने की उपमा वाले श्लोक को सुनकर माधवदेव का ज्ञान-दंभ टूट गया।

8. शंकरदेव ने माधवदेव को किस आधार पर अपना धर्म-गुरु उत्तराधिकारी चुना?

- A. रिश्तेदारी के कारण
- B. उम्र के कारण
- C. पूर्ण योग्यता के आधार पर
- D. समाज के दबाव पर

Answer: C

Explanation: शंकरदेव ने अपने पुत्रों की बजाय माधवदेव को उनकी योग्यता और समर्पण के आधार पर चुना।

9. शंकरदेव के तिरोभाव (मृत्यु) के बाद धर्म-गुरु का दायित्व किसने संभाला?

- A. रामदास
- B. रामानंद
- C. हरिचरण
- D. माधवदेव

Answer: D

Explanation: 1568 ई. में शंकरदेव के तिरोभाव के बाद धर्म-गुरु का दायित्व माधवदेव ने संभाला।

10. माधवदेव की प्रमुख काव्य-रचना कौन-सी मानी जाती है?

- A. कीर्तन-घोषा
- B. गुणमाला
- C. नामघोषा
- D. हरिश्चंद्र उपाख्यान

Answer: C

Explanation: माधवदेव की प्रमुख काव्य-रचना 'नामघोषा' है, जो असमीया वैष्णव साहित्य का आधारग्रंथ माना जाता है।

